सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, शनिवार, 12 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 188, पृष्ठः 8+4

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

इनसाइड 18 जुलाई से शुरू होगा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण... Pg07

Pg 12

चित्रकूट में भारी बारिश, नदियां उफान पर

सड़क पर चल रहीं नावें

लोग सामान समेट कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए हैं। कई मार्गों से यूपी-एमपी का संपर्क टूट गया। मंदाकिनी के अलावा बरदहा, बागे, वाल्मीकि, पड़ूई नदियों में भी बाढ़

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

चित्रकूट। यूपी और एमपी सीमा पर 24 घंटे से हो रही भारी बारिश ने तपोभूमि को पानी-पानी कर दिया है। मंदाकिनी सहित नदी नाले उफान में है। मंदाकिनी खतरे के निशान 126.50 मीटर से पांच मीटर ऊपर बह रही है जिससे उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश का संपर्क टूट गया है। जो श्रद्धालु जहां पर है वहीं फंसे है।

बाढ़ के हालात का जायजा लेने डीएम व एसपी के साथ मंडलायुक्त व डीआईजी पहुंचे हैं। हालांकि अभी तक जानमाल के किसी नुकसान की सूचना नहीं है। मंदाकिनी के अलावा जिले की बरदहा, बागे, वाल्मीकि, पड़ूई आदि नदियां भी बाढ़ में है जिनका पानी करीब एक सैकड़ा गांवों में घुस गया है। सिंचाई विभाग के मुताबिक जिले में 24 घंटा में करीब 100 मिमी वर्षा हुई है वैसे इससे अधिक सीमा से सटे मध्यप्रदेश जिला सतना में हुई है जो मंदाकिनी को विकराल कर दिया है। रात से पानी बढ़ाना शुरू हुआ और पूर्वाह्न 11 बजे रामघाट में खतरे के निशान को पार कर मंदाकिनी 131.550 मीटर में पहुंच गई जो उच्च निशान 134.500 मीटर से सिर्फ तीन मीटर नीचे थी। रामघाट में चार दर्जन दुकानें व तुलसी मंदिर और आरती स्थल डूब गया है। लोग अपना सामान समेट कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए हैं। रामघाट में बना यूपी-एमपी जोड़ने वाला लोहे पुल से बाढ़ का पानी छू रहा है। बेड़ी पुलिया-रामघाट से मध्यप्रदेश को जाने पाले निमोर्गी अखाड़ा मार्ग में बाढ़ का पानी भरा है जिसमें नावे चल रही है। इस मार्ग से लोग कामदगिरि प्रमुख द्वार भी नही पहुंच पा रहे हैं, लोग पीलीकोठी होकर जा रहे हैं। इसी प्रकार हनुमानधारा बाईपास में रजौला पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। इस मार्ग से भी एमपी का संपर्क टूट गया है। आरोग्यधाम में पंचवटी होटल में एक खंड में पानी भर गया है। आरोग्यधाम में रहने वाले व करीब एद दर्जन अतिथि भी फंसे हैं। जिला मुख्यालय में मंदाकिनी का पानी तरौंहा कस्बे में घुस गया है कर्वी-तरौंहा मार्ग में भी प्रशासन ने नाव लगाई है।

यूपी-एमपी का टूट गया संपर्क!

मानिकपुर में बरदहा नदी में बाढ़ का पानी चमरौंहा रपटा में ऊपर से बह रहा है। इससे मानिकपुर-डभौरा(एमपी) का संपर्क टूट गया है तो करीब दो दर्जन गाव का मानिकपुर से संपर्क टूट गया है। बाढ़ की सूचना मडलायुक्त अजीत कुमार, डीआईसी राजेश एस, डीएम शिवशरणप्पा जीएन व एसपी अरुण कुमार सिंह ने रामघाट सहित अन्य क्षेत्र का भ्रमण किया। एसपी ने बताया कि अभी तक किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है। सिंचाई विभाग के अधिशाषी अभियंता एसके प्रसाद ने बताया कि दोपहर 12 बजे के बाद नदी का जल स्तर घटने लगा है। एक घंटा में 45 सेमी पानी कम हुआ है।

चुनौती

प्रदेश के 436 राजकीय हाईस्कूलों में 50 से भी कम छात्र पढ़ रहे

सरकारी स्कूलों से क्यों घट रही छात्र संख्या?

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर/लखनऊ। सरकारी स्कूलों में छात्रों की घटती संख्या शिक्षकों के लिए एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। पहले यह समस्या बेसिक शिक्षा विभाग तक सीमित थी लेकिन अब माध्यमिक स्तर के राजकीय हाईस्कूलों और इंटर कॉलेजों में भी साफ दिखाई पड़ रही है। ताजा आंकड़ों के अनुसार प्रदेश के 436 राजकीय हाईस्कूलों में 50 से भी कम छात्र पढ़ रहे हैं जबकि 189 इंटर कॉलेजों में 100 से कम नामांकन दर्ज हैं। वर्ष 2023-24 के यू-डायस डाटा के मुताबिक उत्तर प्रदेश के माध्यमिक शिक्षा संस्थानों में छात्रों की संख्या चिंताजनक रूप से घट रही है। 436 राजकीय हाईस्कूल ऐसे हैं जहां छात्र संख्या 50 से भी कम है। 189 राजकीय इंटर कॉलेज ऐसे हैं जहां 100 से कम छात्रों का नामांकन दर्ज है। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट होता है कि ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में स्थित कई स्कूल या तो निष्क्रिय हो चुके हैं या वहां पठन-पाठन की गुणवत्ता को लेकर छात्रों और अभिभावकों का भरोसा कमजोर हुआ है।

189 इंटर कॉलेजों में 100 से कम नामांकन हुए

महानिदेशक की सख्त चेतावनी और निर्देश : महानिदेशक कंचन वर्मा ने इस स्थिति पर नाराजगी जताते हुए कहा शिक्षा विभाग द्वारा तमाम योजनाओं और सुविधाओं के बावजूद अगर छात्र स्कूल नहीं आ रहे हैं तो यह चिंता का विषय है। उन्होंने सभी डीआईओएस और मंडलीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सप्ताह प्रधानाचार्यों और प्रधानाध्यापकों संग बैठक कर नामांकन बढ़ाने की रणनीति बनाई जाए। कक्षा 8वीं और 10वीं के सभी बच्चों का माध्यमिक स्कूलों में नामांकन सुनिश्चित हो। जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों और अभिभावकों को जागरूक कर छात्रों को सरकारी स्कूलों में लाने के लिए अभियान चलाया जाए।

कम नामांकन के पीछे कई प्रमुख कारण

विशेषज्ञों और शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सरकारी माध्यमिक विद्यालयों में गुणवत्ता की गिरावट, शिक्षकों की कमी, प्रयोगात्मक सुविधाओं और डिजिटल संसाधनों का अभाव, प्राइवेट स्कूलों की प्रतिस्पर्धा, कई इलाकों में निजी स्कूलों का बढ़ता प्रभाव, जो बेहतर अंग्रेजी माध्यम और तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराते हैं। सरकारी स्कूलों में चल रही योजनाओं की जानकारी आमजन तक ठीक से न पहुंच पाना आदि कई कारण है।

जमकर बरसे बदरा,तीन दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर में सावन महीने की शुरूआत के साथ सुबह से लेकर देर रात तक रुक-रुककर पूरे शहर में बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार कुल 25.2 मिली बारिश रिकॉर्ड की गई। शहर के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्र में ज्यादा बारिश हुई।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों तक बारिश का सिलसिला इसी तरह चलता रहेगा। शनिवार को दिन करीब 16 मिमी बारिश की संभावना है। इस बीच घने बादल और बारिश की वजह से दिन और रात की नमी 100 प्रतिशत तक पहुंच गई।

मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है

वहीं, तापमान में दो डिग्री की कमी के साथ पारा 32.5 डिग्री सेल्सियस रहा। सुबह करीब आठ बजे सबसे पहले बारिश हुई। इसके बाद दोपहर, फिर शाम से रात तक भी शहर के कई हिस्सों में पानी बरसा। मौसम विशेषज्ञ डॉ. एसएन सुनील पांडेय के अनुसार मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है।

कानपुर समेत आसपास के जिलों में भी रहेगा ऐसा ही मौसम

इसकी वजह से पूरे जुलाई में कहीं कम तो कहीं तेज बरसात हो सकती है। उन्होंने बताया कि कानपुर के अलावा आसपास के जिलों में भी इसी तरह की स्थिति रहेगी। वहीं, शनिवार क 16 मिमी बारिश के आसार हैं।

दीनू के साथी वकीलों समेत सात के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। कानपुर के चकेरी क्षेत्र में प्लॉट पर कब्जा करने, धमकी देने, रंगदारी मांगने, षड़यंत्र रचने के मामले में धीरज उपाध्याय उर्फ दीनू के सात साथियों के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। इनके नाम अधिवक्ता अनूप शुक्ला, रचित पाठक, संजय उपाध्याय, दीपक जादौन, अमन शुक्ला, धीरज दुबे, नीरज दुबे हैं।

आरोपियों की कई मामलों में तलाश चल रही है।लाल बंगला निवासी मनोज कुमार गुप्ता ने तीन नवंबर 2022 को अमन शुक्ला, अनूप शुक्ला, राम भरोसे दुबे, रचित पाठक, दीपक जादौन और 20 से 25 अज्ञात के खिलाफ चकेरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इन पर कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, धमकी देने, कब्जा करने, मारपीट समेत अन्य धाराएं लगी थीं।मनोज कुमार ने आरोप लगाया कि उनके दहेली सुजानपुर स्थित प्लॉट पर 16 अगस्त 2021 को कब्जा करने का प्रयास हुआ। पत्नी कंचन गुप्ता ने पुलिस से शिकायत की तो तीन नवंबर 2021 की सुबह 11:30 बजे आरोपी उनके प्लॉट पर पहुंचे और तोड़फोड़ की। आरोपियों ने 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी, 25 हजार रुपये और गले से चेन लूट ले गए।

पुलिस ने बाद में दीनू उपाध्याय, संजय उपाध्याय समेत अन्य का नाम बढ़ा दिया। दीनू उपाध्याय सोनभद्र की जेल में बंद है। एसीपी चकेरी अभिषेक कुमार पांडेय ने बताया कि सात लोगों के खिलाफ सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी हुआ है। इनकी चकेरी के साथ ही अन्य थानों में दर्ज हुई एफआईआर में तलाश है। क्राइम ब्रांच के जांच अधिकारी की ओर से कोर्ट में आवेदन किया गया था।पुलिस ने बसपा नेता पिंटू सेंगर की हत्या में सोनभद्र जेल में बंद दीनू उपाध्याय के दो साथियों समेत तीन की हिस्ट्रीशीट खोली है। चकेरी के श्याम नगर निवासी धर्मेंद्र सिंह यादव उर्फ धर्मू और अरिदमन सिंह का नाम दीनू उपाध्याय के साथ कई एफआईआर में आया है।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

घरेलू गैस: सप्लायर-माफिया की साठगांठ से करोड़ों की अवैध कमाई

शिवांक अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

- घरेलू गैस की चोरी कर खाली सिलेंडरों में होती है दोबारा भरावट
- सप्लायर और माफिया के गठजोड़ से जनता को मिल रहा अधूरा सिलेंडर
- ब्लैक सिलेंडर का काला कारोबार, शादी सीजन में वसूले जाते हैं 200-300 रुपये अधिक

कानपुर। एक ऐसा महानगर जहां करीब 60 लाख से अधिक की आबादी है और रसोई गैस हर घर की बुनियादी ज़रूरत। लेकिन इस ज़रूरत को लेकर शहर में एक काला कारोबार रफ्तार से फलफूल रहा है, जिसकी गूंज किसी अदालत या थाने तक नहीं पहुंचती। घरेलू गैस सिलेंडरों की चोरी, मिलावट और ब्लैक मार्केटिंग अब एक उद्योग का रूप ले चुकी है। गैस एजेंसियों से जुड़े सप्लायर पहले सिलेंडरों की पूरी खेप अवैध कारोबारियों के अड्डे पर पहुंचाते हैं, जहां पहले से जमा सालाना घरों में हुई चोरियों में चोरी किए हुए सैकड़ों खाली सिलेंडर होते हैं। वहां पर सिलेंडरों की सील तोड़कर, उनमें से थोड़ी-थोड़ी गैस निकाली जाती है और इन्हीं खाली सिलेंडरों में भर दी जाती है। और फिर से सील वैसे ही लगा दी जाती है जैसे कभी तोड़ी ही नहीं गई हो। इसके बाद इन्हें तय कीमत से 100 से 300 रुपये अधिक में बेचा जाता है।

जनता को जब सिलेंडर हल्का लगता है तो वो बस एक बार उसे तौलवाने की मांग करती है और सप्लायर पहले से सेट किए गए अपने लटकाने वाले तराजू पर उसे दिखाकर भ्रमित कर देता है। आम आदमी को ये भनक भी नहीं लगती कि उसके हिस्से की गैस से कोई करोड़ों कमा रहा है।

आलस और अनदेखी- जब जनता भी बन जाती है इस अपराध की हिस्सेदार

इस सिलसिले में एक और चिंताजनक पहलू है समाज की चुप्पी। शहर में ऐसे हजारों उपभोक्ता हैं जिनके पास गैस कनेक्शन के वैध कागजात तक नहीं हैं। यह वर्ग हर बार गैस ब्लैक में खरीदता है और ऐसा करके इस अपराध को मौन समर्थन देता है। शादी या त्योहारों के सीजन में यही माफिया जनता की मजबूरी का फायदा उठाकर गैस सिलेंडरों पर 200 से 300 रुपये अधिक वसूल करता है।इस पूरे मामले में सबसे अनोखी बात यह है कि यह सब खुलेआम हो रहा है और जिम्मेदार अफसरों की नजरें या तो बंद हैं या फिर जानबूझकर इधर-उधर हैं। पुलिस और प्रशासन की ओर से कोई सख्त कार्यवाही न होना इन गैस माफियाओं को और मजबूत बना रहा है।

स्वराज इंडिया का विशेष अभियान

स्वराज इंडिया ने इस गंभीर मुद्दे पर पड़ताल शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में हर मोहल्ले, हर क्षेत्र से अवैध गैस कारोबार के पीछे छिपे चेहरों को उजागर किया जाएगा। जनता से भी अपील है कि वह अपने हक के लिए आवाज़ उठाए, क्योंकि हर चुप्पी किसी गैस चोर की जेब में भर रही है नोटों की गड्डियां बढ़ा रही है।

बदमाशों ने प्लास्टिक के पाइप और बेल्टों से की मारपीट

कानपुर। वाजिदपुर कॉलोनी और आसपास बसे अवैध लोगों में प्लास्टिक के पाइप और बेल्टें जमकर चले। 10 मिनट तक सड़क पर मारपीट हुई। सूचना पर पहुंची पीआरवी को देख लोग फरार हो गए।

कानपुर के जाजमऊ स्थित वाजिदपुर कॉलोनी में देर रात अराजकता का माहौल देखने को मिला, जहां बदमाशों ने सरेआम सड़क को कुश्ती का मैदान बना दिया। अवैध रूप से बसे लोगों के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई, जिसमें प्लास्टिक के पाइप और बेल्टों का खुलेआम इस्तेमाल किया गया।इस घटना से पूरे इलाके में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, युवकों के बीच किसी बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। विवाद में कुछ महिलाएं भी कूद पड़ीं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। करीब 10 मिनट तक सड़क पर खुल्लम-खुल्ला मारपीट चलती रही।

पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती

सूचना मिलने पर पीआरवी मौके पर पहुंची, लेकिन पुलिस को देखते ही मारपीट करने वाले सभी लोग मौके से फरार हो गए।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि इस क्षेत्र में अवैध रूप से बसे लोगों के बीच अक्सर छोटे-मोटे झगड़े होते रहते हैं। इसके बावजूद पुलिस द्वारा इन पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है।

कानपुर में टला बड़ा रेल हादसा, ड्राइवर की सूझबूझ से बचीं सैकड़ों जानें

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। बारिश के कारण रेलवे ट्रैक धंसने से कानपुर के चौबेपुर के पास एक बड़ा ट्रेन हादसा होते-होते टल गया। भिवानी से प्रयागराज जा रही कालिंदी एक्सप्रेस के ड्राइवर ने अचानक ट्रेन में हलचल महसूस होने पर इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोक दी।यह घटना चौबेपुर के मरियानी गांव के पास हुई। भारी बारिश की वजह से रेलवे ट्रैक का एक हिस्सा धंस गया था, जिससे ट्रेन का संतुलन बिगड़ रहा था।

ड्राइवर की सूझबूझ से समय रहते ट्रेन को रोक लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया।हादसे की सूचना मिलते ही रेलवे कर्मचारी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ट्रैक की मरम्मत का काम शुरू कर दिया। इस दौरान, कालिंदी एक्सप्रेस करीब 45 मिनट तक वहीं खड़ी रही। ट्रैक की मरम्मत होने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। ड्राइवर की सतर्कता और रेलवे कर्मचारियों की तत्परता से यात्रियों की जान सुरक्षित रही। इस दौरान कानपुर से फर्रुखाबाद की ओर से जा रही पैसेंजर गाड़ी के अलावा कई ट्रेनें प्रभावित हुईं।

विद्यालय बंदी के खिलाफ सपा नेत्री ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर (कानपुर)। प्रदेश सरकार के पांच हज़ार सरकारी विद्यालयों को बंद किए जाने के फैसले का विरोध तेज़ होता जा रहा है।शुक्रवार को समाजवादी पार्टी की नेत्री एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रचना सिंह गौतम ने इस निर्णय के खिलाफ आवाज बुलंद की और महामहिम राष्ट्रपति महोदया को संबोधित ज्ञापन तहसीलदार बिल्हौर को सौंपा। ज्ञापन में सपा नेत्री ने कहा कि जब देश विश्वगुरु बनने का सपना देख रहा है, ऐसे समय में सरकारी विद्यालयों को बंद करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह निर्णय ग्रामीण क्षेत्रों के ग़रीब बच्चों, विशेषकर बालिकाओं की शिक्षा को संकट में डालने वाला है। उन्होंने कहा कि गांवों में अब भी बहुत से परिवार अपनी बेटियों को गांव के बाहर दूर विद्यालयों में भेजने से हिचकिचाते हैं। ऐसे में स्थानीय विद्यालयों की बंदी बेटियों की पढ़ाई पर सीधा प्रहार है।

उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार से मांग की कि गरीबों के हित में इस फैसले पर अविलंब रोक लगाई जाए।इस दौरान कैलाश एडवोकेट, सुबोध यादव एडवोकेट, राजीव कटियार एडवोकेट, ऋषभ यादव (राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी), डॉ. देवेश कटियार, विवेक कटियार (अध्यक्ष छात्र सभा), शौर्य यादव (प्रदेश सचिव शिक्षक सभा), मधुर पटेल, अंशुमान सिंह, सौरभ सिंह सहित अनेक पदाधिकारी व समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सम्पादकीय

तलाशें जानलेवा आक्रामकता के कारक

गुरुवार को हरियाणा से आई दो निर्मम हत्याओं की घटनाओं ने हर किसी संवेदनशील इंसान को झकझोरा है। गुरुपूर्णिमा के दिन दो शिष्यों ने नारनौंद में एक गुरु को चाकुओं से गोद दिया। वहीं गुरुग्राम में किसी बात पर आगबबूला पिता ने नाजों से पाली बेटी की गोली मारकर हत्या कर दी। यूं तो ये घटनाएं करोड़ों लोगों में उंगली पर गिनी जानी वाली हैं, लेकिन इन घटनाओं में रिश्तों और आत्मीय अहसासों का कत्ल हुआ, इसलिये हर कोई विचलित हुआ। इन हृदयविदारक घटनाओं ने हर किसी को उद्वेलित किया कि आखिर हम कैसा समाज रच रहे हैं? क्यों हम जरा-जरा सी बात पर अपनों व समाज में अब तक आदरणीय स्थान रखने वाले के खिलाफ ऐसी क्रूरता दिखाने लगे हैं। यूं तो हर रोज समाचारों में ऐसी खबरें तैरती रहती हैं, जिसमें हम विश्वास व रिश्तों का कत्ल होते देखते हैं। राह चलते मामूली विवाद में हत्याएं हो जाती हैं। सड़क पर एक कार का दूसरी से स्पर्श हो जाए या पार्किंग विवाद हो, लोग जान लेने पर उतारू हो जाते हैं। लेकिन हरियाणा की दोनों घटनाएं अलग किस्म की हैं। अक्सर हम नई पीढ़ी के आक्रामक व्यवहार की बात करते हैं लेकिन गुरुग्राम में तो पिता ने अपनी पुत्री की हत्या कर दी। कतिपय समाचारपत्रों में गुरुग्राम में राज्य स्तरीय टेनिस खिलाड़ी की हत्या की वजह उसके रील बनाने का जुनून बताया गया, तो दूसरे पत्रों में बेटी द्वारा टेनिस अकादमी खोलने से पिता का नाराज होना। लेकिन ठंडे दिमाग से सोचें तो ये कोई ऐसी वजह नजर नहीं है कि पिता अपने ही जिगर के टुकड़े को गोली मार दे। जाहिर है विवाद व टकराव की लंबी पृष्ठभूमि होगी। नए दौर के बच्चे अति आत्मविश्वास से भरे हैं। उनमें उत्साह है, उमंग है तो बहुत कुछ करने का जज्बा भी है। उनके सपने बड़े हैं तो सोचने-समझने के तौर-तरीके भी जुदा हैं।

वहीं पुरानी पीढ़ी के संघर्ष से व सीमित संसाधनों में पले-पढ़े लोग नई व अपने से पहले की पीढ़ी के बीच तेजी से बदलते परिवेश से सामंजस्य नहीं बैठा पा रहे हैं। निश्चित रूप से विकास की तीव्र गति के बीच हमारे जीवन में बहुत कुछ तेजी से बदला है। पुरानी पीढ़ी इस संक्रमणकाल से सामंजस्य स्थापित करने में सहज महसूस नहीं कर पा रही है। नई पीढ़ी की स्वच्छंदता और अपने बड़े फैसले खुद लेने की प्रवृत्ति पुरानी पीढ़ी को रास नहीं आ रही है। जिसका प्रतिकार वे हिंसक तरीके से करने लगे हैं। वहीं नारनौंद की घटना हमें आक्रामक होते किशोरों की हकीकत पर विचार करने को बाध्य करती है। दो छात्रों ने प्रिंसिपल की हत्या किस वजह से की, उसकी हकीकत की असली तस्वीर जांच के बाद ही सामने आएगी, लेकिन बात कोई भी हो किसी छात्र द्वारा गुरु की हत्या करने की वजह नहीं हो सकती। कहा जा रहा है कि प्रिंसिपल सख्त और बेहद अनुशासनप्रिय थे। लेकिन ये वजह किसी शिक्षक की हत्या को तार्किकता नहीं दे सकती। हत्या छात्र की हो या शिक्षक की, दोनों ही घटनाएं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। एक दौर था कि अभिभावक खुद ही शिक्षक से कहा करते थे कि उनके पाल्य को कड़े अनुशासन में शिक्षा दीजिए। तब शिक्षक भी सख्ती करने से पीछे नहीं हटते थे। पढ़ाई ठीक से न करने और अनुशासन तोड़ने पर छात्रों की पिटाई आम बात हुआ करती थी। इस पर अभिभावक भी कोई बड़ी प्रतिक्रिया नहीं देते थे। लेकिन लगता है कि नई पीढ़ी के विद्यार्थी किसी भी सख्ती को बर्दाश्त करने को तैयार नहीं हैं। दरअसल, हमारे समाज में जिस आक्रामकता का विस्तार हुआ है, वह अब नई पीढ़ी के बच्चों में नजर आने लगी है।

बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण संबंधी चिंताएं

सोमेश गोयल

देश में सरकार द्वारा कोई नागरिकता दस्तावेज जारी नहीं किया जाता, ऐसे में क्या चुनाव आयोग को ऐसे प्रावधानों का पालन करना चाहिए जिससे नागरिकों को मतदान अधिकार से वंचित करने का खतरा खड़ा हो जाए या उसे पुरानी प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। बिहार में विशेष गहन संशोधन प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में से वोटर्स का नाम हटने की आशंका का निवारण चुनाव आयोग द्वारा किया जाना बेहतर था।

जरूरी नहीं जो कानूनी तौर पर हो, वह हमेशा उचित हो। मतदाता सूचियों का 'शोधन' एक सराहनीय उद्देश्य, एक जायज मांग और कठिन जिम्मेदारी है।

भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सुकुमार सेन ने मतदाता सूची (ईआर) की गुणवत्ता पर अपनी पूरी तसल्ली होने बाद ही 1951 में प्रथम चुनाव करवाने से पहले, 18 महीने तक काफी दबाव झेला था। वर्तमान मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी, जब इस साल की शुरुआत में, मतदाता सूची में कथित हेराफेरी और विसंगतियों की शिकायतों पर प्रतिक्रिया देते हुए 90 दिनों के अंदर सुधारात्मक कदम उठाने का आश्वासन देश को दिया था। लेकिन इस दिशा में उठाए गए एक कदम ने चुनाव आयोग को विवाद के घेरे में ला दिया, जो कि पिछले कुछ समय से इस संस्थान को घेरने वाले कई विवादों में एक है। हालांकि इस मामले में अब सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद स्थिति स्पष्ट होती नजर आ रही है।समय-समय पर चुनाव करवाने वाले काम के विपरीत, मतदाता सूची तैयार करना एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 21 (2) और मतदाता पंजीकरण नियमों के नियम 25 के अनुसार प्रत्येक चुनाव से पहले संशोधन किया जाना शामिल है। इस हिसाब से, 2024 में हुए लोकसभा चुनावों से पहले एक राष्ट्रव्यापी संशोधन कार्य किया जाना बनता था।इस साल 24 जून को चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों का विशेष गहन संशोधन करने का आदेश दिया, जबकि वहां होने वाले विधानसभा चुनाव में चंद महीने बाकी हैं। ऊपरी तौर से, इसका मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि 'मतदाता सूची में सभी पात्र नागरिक जुड़ें', 'कोई अयोग्य मतदाता न हो' और 'सूची में मतदाताओं को जोड़ने या हटाने की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता हो।' इस आदेश में गहन संशोधन हेतु विस्तृत प्रक्रिया की रूपरेखा दी गई, लेकिन इसने मतदाता सूची में 2003 से पहले और इसके बाद जुड़े मतदाताओं के बीच एक विवादास्पद अंतर खड़ा कर दिया, उस साल बिहार में आखिरी मर्तबा एसआईआर कार्य हुआ था।इस आदेश में 2003 के बाद जुड़े मतदाताओं को अपनी नागरिकता सिद्ध करने के लिए, आयोग द्वारा तय दस्तावेज प्रस्तुत करके अपने दावों को सिद्ध करना अनिवार्य था। भले ही मतदाता के रूप में उनका नाम शामिल करते वक्त, 'जनप्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 23 के अनुरूप मतदाता संशोधन अधिकारी उनकी पात्रता की शर्तों की सत्यापना, अपनी तसल्ली होने तक, पहले ही कर चुका हो।' तर्क दिया गया, यह कार्य ईसीआईएनईटी पर शोधित सूची को प्रकाशित करने योग्य बनाएगा।यह घोषणा करने का वक्त और इसे अचानक किए जाने से हो-हल्ला मच गया, खासकर इसलिए कि यह प्रक्रिया उन अन्य राज्यों में नहीं करवाई गई जहां 'शुद्धीकरण' किया जाना इतना ही महत्वपूर्ण था और चुनाव भी तुरंत नहीं होने वाले थे। संदेह की वजह यह समझने में मुश्किल होना रही कि चुनाव आयोग किस चीज़ को आधार बनाकर 2003 तक पंजीकृत हुए लोगों की साक्ष्य-साख का अधिक मोल डाल रहा है। जबकि चुनाव आयोग खुद कहता है कि प्रवासन, मृत्यु, रोजगार आदि की संभावना दोनों श्रेणी के मतदाताओं पर लागू होती है। तो समझना मुश्किल है कि 2003 से पहले वाली और बाद वाली में अपनाई प्रक्रिया के बीच फर्क क्यों रखा जा रहा है? खासकर जब संक्षिप्त संशोधन या विशेष गहन संशोधन या चालू पंजीकरण के दौरान अपनाई जाने वाली प्रक्रिया एक जैसी है।

सेहतमंद फसल पर मुनाफे का ज़हरीला असर

पैराक्वाट की चपेट में मूंग

पंकज चतुर्वेदी

डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा जोखिम यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं।

डॉक्टर अक्सर मरीजों को मूंग दाल खाने की सलाह देते हैं, लेकिन अधिक मुनाफे के लोभ में अब जो मूंग बाजार में आ रही है वह सामान्य बीमार व्यक्ति को गंभीर रोग का शिकार बना सकती है। चूंकि मध्य प्रदेश में देश में मूंग की फसल का 35 प्रतिशत उत्पादन होता है। शुरुआत में राज्य सरकार ने मूंग की सरकारी खरीदी पर हिचकिचाहट दिखाई थी तो सियासत भी गर्मा गई थी। सरकार भी अपनी जगह ठीक ही थी।

यह बात तंत्र समझ गया था कि अधिक फसल और इसे जल्दी पकाने के लिए किसान जिस रसायन का इस्तेमाल कर रहे हैं, असल में वह ज़हर है। यदि मध्य प्रदेश के किसान यह अनुचित तरीका अपना रहे हैं तो देश के अन्य राज्यों में भी यही हो रहा होगा। विदित हो म.प्र. में इस वर्ष मूंग का सरकारी खरीदी मूल्य 8558 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। यह दाम बीते चार साल में 1362 रुपये बढ़े हैं। बढ़ते दाम, तीसरी फसल की लालसा और कम रकबे में अधिक उत्पाद के चलते किसान का मूंग की तरफ आकर्षण भी बढ़ा और लालच भी। म.प्र. के कृषि विभाग ने राज्य शासन को बताया कि किसान मूंग की फसल में खरपतवार नाशक दवा पैराक्वाट डाइक्लोराइड, जिसे स्थानीय रूप से 'सफाया' भी कहा जाता है, का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। कई देशों में यह प्रतिबंधित है, लेकिन यहां किसान इसका उपयोग धड़ल्ले से कर रहे हैं। किसान जानते हैं कि मूंग की फसल खेतों में एक साथ नहीं पकती। कुछ पौधे जल्दी तो कुछ देर से पकते हैं। ऐसे में मजदूरों से तुड़ाई में समय, खर्च ज्यादा लगता है। फसल को एकसाथ सुखाने के लिए पैराक्वाट तत्काल असर करती है। इससे एक दिन में पूरी फसल सूख जाती है, फिर हार्वेस्टर से कटाई हो जाती है। यही नहीं, इसके इस्तेमाल से कच्ची मूंग के दाने भी चमकीले हरे दिखते हैं। इस तरह इनका वजन अधिक लगता है और इससे दाम अधिक मिल जाते हैं। दरअसल किसान रबी और खरीफ की फसल के बीच तीन महीनों में मूंग की फसल तैयार करने के लिए यह ज़हरीला जतन कर रहे हैं।भारत में कोई तीस लाख मीट्रिक टन मूंग का उत्पादन होता है और यह समूचे देश में बीमारों के लिए पथ्य भोजन मानी जाती हैं। मूंग में मौजूद स्टार्च और प्रोटीन छोटे अणुओं में टूटकर जल्दी पच जाते हैं। इसमें कम मात्रा में रेजिन होता है, जो पेट में गैस नहीं बनाता। 100 ग्राम मूंग में लगभग 105 कैलोरी और बहुत कम वसा होता है। आयुर्वेद के अनुसार मूंग दाल त्रिदोष नाशक मानी जाती है— यानी यह वात, पित्त और कफ को संतुलित करती है। बीमारियों में इसका सेवन शरीर को संतुलन में लाता है। मूंग में फ्लावोनॉयड्स, कैंपफेरॉल, विटामिन-सी और फेनोलिक यौगिक होते हैं, जो शरीर की रोग-प्रतिरोध क्षमता को मज़बूत करते हैं।

डॉक्टरों के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड के इस्तेमाल से उगाई गई मूंग के सेवन से कैंसर, लंग्स, किडनी, लिवर फेल्योर, पार्किंसंस रोग का खतरा रहता है। सबसे बड़ा खतरा यह है कि मूंग के दानों में पैराक्वाट के अवशेष रह जाते हैं। जब इन दानों का सेवन किया जाता है, तो ये सीधे मानव शरीर में पहुंचते हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी 2024 में प्रकाशित शोध के अनुसार पैराक्वाट डाइक्लोराइड की रासायनिक संरचना एमपीपी प्लस नामक एक जहरीले पदार्थ से मिलती-जुलती है, जो कि एमपीटीपी नामक रसायन से बनता है। यह वही रसायन है, जिससे 1983 में मनुष्यों में पार्किंसंस जैसा रोग पैदा हुआ था। यह हाइली टॉक्सिक हर्बीसाइड है। थोड़ा-सा

चौखंडी गांव में शुरू हो गई साफ-सफाई

एसडीएम ने लिया संज्ञान, बीडीओ ने सचिव को भेजा गांव

» स्वराज इंडिया की ग्राउंड रिपोर्ट के बाद प्रशासन आया हरकत में

» आधा दर्जन सफाईकर्मी गांव की सफाई में जुटे

» नारकीय जीवन जीने को मजबूर थे ग्रामीण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बरौली ग्राम पंचायत का चौखंडी गांव, जो अब तक गंदगी, टूटी गलियों और जलभराव जैसी समस्याओं से जूझ रहा था, आखिरकार प्रशासन की निगाह में आ गया है। स्वराज इंडिया की ग्राउंड रिपोर्ट में जब गांव की बदहाल तस्वीर उजागर हुई, तो मामला उच्चाधिकारियों तक पहुंचा।ख़बर प्रकाशित होने के 24 घंटे के भीतर ही एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित ने संज्ञान लेते हुए खंड विकास अधिकारी बलराम सिंह को कार्रवाई के निर्देश दिए। बीडीओ ने ग्राम सचिव रवि से बात कर तत्काल सफाई व्यवस्था बहाल करने को कहा। इसके बाद गांव में आधा दर्जन सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई और सफाई अभियान की शुरुआत हुई।गलियों से कूड़ा हटाया गया, नालियों की सफाई तेज़ी से शुरू हुई। ग्रामीणों ने कुछ हद तक राहत महसूस की है।

प्राइमरी स्कूल चौखंडी के गेट के पास नाले की साफ सफाई करते कर्मचारी

जल निकासी के लिए नाली खोदते कर्मचारी

FOLLOW UP

लेकिन अब भी कई सवाल स्थानीय व्यवस्था पर उठ रहे हैं।ग्रामीणों का कहना है कि यदि मीडिया आवाज़ न उठाती तो प्रशासन की नींद शायद अब भी नहीं खुलती। अगर इसी तरह प्रशासन सक्रिय रहे तो गांव की दशा बदल सकती है। प्रधान की चुप्पी पर भी लोग उंगली उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों ने स्वराज इंडिया की टीम का आभार जताते हुए कहा कि मीडिया की आवाज पर प्रशासन जागा है।अब उम्मीद है कि यह कार्रवाई एक दिन की न होकर नियमित रूप से चलेगी। और दोबारा हालात बिगड़ने नहीं पाएंगे।

चौखंडी वालों से किस बात की नाराजगी है प्रधान जी..?

1जुलाई को स्वराज इंडिया टीम ने ग्राउंड जीरो से की थी रिपोर्टिंग

आखिर क्यों नहीं बदली गांवों की तस्वीर

बिल्हौर। लाखों रुपए खर्च होने के बावजूद गांवों की तस्वीर बदल नहीं रही है। पंचायत चुनाव नजदीक है। स्वराज इंडिया गांवों में कराए गए विकास कार्यों की पड़ताल करेगा और सामने आया सच ज्यों का त्यों आपके सामने रखेगा। लेकिन इसके लिए आपको अपनी चुप्पी तोड़नी पड़ेगी। पांच वर्षों के दौरान आपने क्या-क्या देखा है बस वही स्वराज इंडिया से शेयर कर दीजिए।बाक़ी की परतें खोलना हमारा काम है और हम करेंगे भी!

कानपुर में बारिश के बाद सड़क धंसी

मेट्रो और नगर निगम की लापरवाही से नाराज़ स्थानीय लोग

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद जहां शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी रही, वहीं हरबंस मोहाल थाना क्षेत्र के भूसा टोली बर्तन बाजार इलाके में एक बड़ी दुर्घटना होते-होते बच गई। यहां सड़क अचानक धंस गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बीती रात सड़क पर पहले एक छोटा गड्ढा बना, जो कुछ ही घंटों में इतना बड़ा हो गया कि आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई।

नागरिकों ने तत्काल इसकी सूचना क्षेत्रीय पार्षद आदर्श गुप्ता को दी, जिन्होंने मौके पर पहुंचकर नगर निगम, मेट्रो और जलकल विभाग के अधिकारियों को बुलाया।

पहले भी पड़ी थीं दरारें

इलाके के निवासी राकेश अग्रवाल ने बताया कि मेट्रो परियोजना के कार्य के चलते पहले ही मकानों में दरारें आ चुकी थीं। अब भारी बारिश के चलते सड़क धंस गई, जिससे लोगों में भारी नाराज़गी है। उन्होंने निर्माण एजेंसियों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

केस्को की लाइन बनी वजह

मौके पर पहुंचे नगर निगम के मुख्य अभियंता फरीद अख्तर जैदी ने बताया कि केस्को की ओर से जो लाइन डाली गई थी, उसी के चलते मिट्टी कमजोर हुई।

बारिश में पानी भरने से यह गड्ढा और चौड़ा हो गया और सड़क पूरी तरह धंस गई।

तत्काल शुरू हुआ मरम्मत कार्य

हालात को देखते हुए मौके पर दो जेसीबी मशीनें लगाई गई हैं और गड्ढे को भरने का काम तेजी से शुरू कर दिया गया है।

मौके पर मेट्रो, नगर निगम और जलकल के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं और हालात पर नजर बनाए हुए हैं।

स्थानीय लोगों की मांग है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं से

बचाव के लिए पहले से सुरक्षा उपाय किए जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता न हो।

पंचायत चुनाव की तैयारियों को मिली रफ्तार, 18 जुलाई से शुरू होगा वोटर लिस्ट पुनरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाते हुए वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी कर दिया है। आगामी पंचायत चुनाव को पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए यह प्रक्रिया 18 जुलाई से शुरू होगी और 15 जनवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

- **राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किया विस्तृत कार्यक्रम, जनवरी में प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची**
- **मार्च-अप्रैल 2026 में संभावित त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, बीएलओ घर-घर करेंगे सर्वेक्षण**

आयोग ने विस्तृत कार्यक्रम जारी करते हुए बताया कि बीएलओ और पर्यवेक्षकों की तैनाती, प्रशिक्षण, स्टेशनरी वितरण का कार्य 13 अगस्त तक पूरा किया जाएगा।

युवाओं को मिलेगा नाम जुड़वाने का मौका

वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, संशोधन और विलोपन की प्रक्रिया को भी पारदर्शी और चरणबद्ध बनाया गया है। एक जनवरी 2025 को अठारह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवा 14 अगस्त से 22 सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। सर्वेक्षण और पांडुलिपि निर्माण की प्रक्रिया 29 सितंबर तक चलेगी। ड्राफ्ट मतदाता सूची 5 दिसंबर को प्रकाशित होगी, जिसके बाद 6 से 12 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां स्वीकार की जाएंगी। उनका निस्तारण 19 दिसंबर तक किया जाएगा।

पूरक सूची और अंतिम प्रकाशन

दावे और आपत्तियों के निस्तारण के उपरांत पूरक सूची का कंप्यूटरीकरण 8 जनवरी 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके बाद सभी मतदान केंद्रों की अंतिम मैपिंग, मतदाता क्रमांकन, सूची की डाउनलोडिंग और फोटो प्रतियों की व्यवस्था 14 जनवरी 2026 तक कर ली जाएगी। 15 जनवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन होगा, जो पंचायत चुनाव की दिशा तय करेगा।यह प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची से छूटे नहीं और अपात्र नाम हटाए जा सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में यह एक अहम कदम माना जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल के बाहर जलभराव, फैल रही बीमारियां

» महिला अस्पताल के सामने भरा कीचड़युक्त पानी, मच्छरों का डेरा बना संक्रमण का कारण

» डॉक्टरों और मरीजों की आवाजाही हुई बाधित, बार-बार शिकायत के बावजूद प्रशासन बेपरवाह

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मानसून की पहली भारी बारिश ने कानपुर देहात के जिला मुख्यालय पर बने मेडिकल कॉलेज और सम्बद्ध महिला जिला अस्पताल की व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। शुक्रवार को हुई तेज बारिश के बाद मेडिकल कॉलेज के साथ महिला जिला अस्पताल के बाहर कीचड़युक्त गंदा पानी भर गया, जिससे मरीजों से लेकर डॉक्टरों तक को आवाजाही में भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर परिसर तक जलभराव की स्थिति बनी रही, जिससे इलाज के लिए आने वाले लोगों को बीमारियों से लड़ने की बजाय गंदगी से जूझना पड़ रहा है।

तीन साल से लगातार बनी है जलभराव की समस्या

अस्पताल में तैनात डॉक्टरों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह समस्या नई नहीं है, हर साल मानसून की शुरुआत में अस्पताल के बाहर जलभराव हो जाता है। बारिश का पानी नालियों से उफनकर सड़क और परिसर में भर जाता है, जिससे मरीजों के साथ अस्पताल स्टाफ को भी आने-जाने में दिक्कत होती है। कीचड़, अपशिष्ट और बदबूदार पानी के चलते संक्रामक रोगों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि प्रशासन को कई बार शिकायत की जा चुकी है, यहां तक कि डीएम और अन्य अफसर निरीक्षण भी कर चुके हैं, लेकिन व्यवस्था सुधारने को लेकर कोई ठोस कदम अब तक नहीं उठाया गया।

स्थानीय नागरिकों और स्वास्थ्यकर्मियों की एक ही मांग है जलभराव की इस स्थायी समस्या का जल्द समाधान किया जाए, ताकि अस्पताल आने वाले लोगों को इलाज के बदले बीमारी का सामना न करना पड़े।

हथियारों संग दबोचे गए दो बदमाश, पुलिस ने टाली बड़ी वारदात

» गुप्त सूचना पर मूसानगर पुलिस की दबिश, तमंचे और कारतूस बरामद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

(मूसानगर)कानपुर देहात। जिले में अपराध नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत मूसानगर पुलिस को शुक्रवार की रात बड़ी सफलता हाथ लगी। पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दो ऐसे शातिर युवकों को गिरफ्तार किया जो अवैध हथियारों से लैस होकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।पुलिस को सूचना मिली थी कि मूसानगर-गजनेर रोड पर स्थित शर्मा भट्टे के पास दो संदिग्ध व्यक्ति हथियारों के साथ मौजूद हैं।मौके पर पहुंचकर इलाके की घेराबंदी कर दी। कुछ दूरी पर दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन मुस्तैद पुलिस टीम ने उन्हें धर दबोचा।

गांव के ही निकले दोनों आरोपी

गिरफ्तार युवकों की पहचान खिरियनपुरवा गांव के निवासी राजा सिंह उर्फ जयवीर सिंह और इंद्रजीत उर्फ बड़कू यादव के रूप में हुई। तलाशी के दौरान जयवीर सिंह के पास से देसी तमंचा और दो कारतूस मिले, वहीं बड़कू यादव के पास से भी देसी तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में दोनों ने कबूल किया कि वे किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे।दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना मूसानगर में आयुध अधिनियम के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर लिया गया है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस की इस तत्परता से संभावित गंभीर अपराध टल गया। थाना मूसानगर पुलिस की इस कार्रवाई को स्थानीय लोगों ने सराहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

पैकौली फीडर की बिजली आपूर्ति बाधित, सब स्टेशन पर हंगामा

लोनी कटरा क्षेत्र के भिलवल विद्युत उपकेंद्र में तैनात कर्मियों की मनमानी

स्वराज इंडिया संवाददाता

त्रिवेदीगंज बाराबंकी। लोनी कटरा क्षेत्र के भिलवल विद्युत उपकेंद्र के पैकौली फीडर की बिजली आपूर्ति बाधित होने से आक्रोशित शिवनाम गांव के उपभोक्ताओं ने शुक्रवार रात करीब 11:00 बजे उपकेंद्र घेर लिया। लोग अंदर पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। वहां मौजूद लाइनमैन कृष्ण कुमार की पिटाई करते हुए एक कर्मचारी अमरेश कुमार को टॉयलेट में बंद कर दिया।

देर रात क़रीब 11:45 बजे जेई ने 10 नामजद व 15 अज्ञात के विरुद्ध मारपीट, तोड़फोड़, रजिस्टर फाड़ने की शिकायत की है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव शिवनाम की बिजली दो दिन से बाधित थी। शिकायत के बाद भी सुधार नहीं होने पर शुक्रवार देर शाम आक्रोश फैल गया। थानाध्यक्ष अभय कुमार मौर्या ने बताया कि चार नाम दर्ज व दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा हुआ दर्ज पूरे मामले की चल रही है जांच।

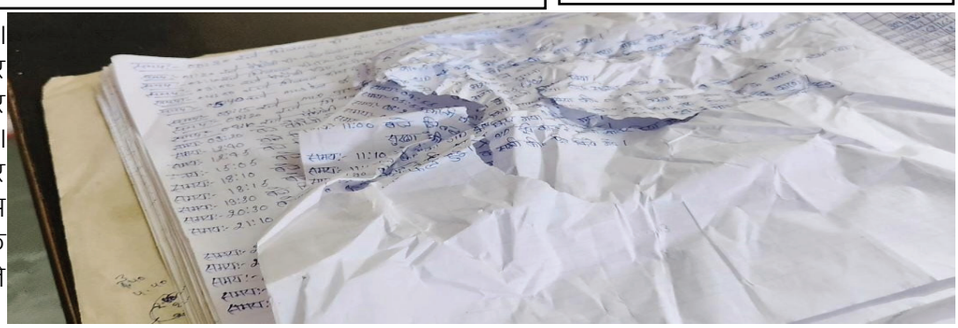

अभाव और उपेक्षा का शिकार सिद्धेश्वर महादेव मंदिर

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। सावन के पावन महीने में जहां एक ओर शिवभक्तों का उत्साह चरम पर है, वहीं दूसरी ओर देवा-फतेहपुर मार्ग पर स्थित प्राचीन सिद्धेश्वर महादेव मंदिर मूलभूत सुविधाओं के अभाव और सरकारी उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। यह मंदिर न सिर्फ श्रद्धा का केंद्र है, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक चेतना का भी जीवंत प्रतीक है।

सावन में यहां बोल बम के जयघोष और हर-हर महादेव की गूंज से वातावरण भक्तिमय हो उठता है। शिवभक्त दूर-दराज से जलाभिषेक करने पहुंचते हैं, लेकिन मंदिर परिसर की दुर्दशा श्रद्धालुओं की आस्था को ठेस पहुंचा रही है। मंदिर के सामने स्थित प्राचीन कुंड पूरी तरह बदहाल अवस्था में है। उसमें गंदगी और कीचड़ भरा रहता है, जिससे न सिर्फ श्रद्धालुओं को असुविधा होती है, बल्कि मंदिर की पवित्रता भी प्रभावित होती है।

महाशिवरात्रि के मौके पर यहां विशाल मेला लगता है। वहीं कार्तिक मास में भव्य रामलीला का मंचन स्थानीय संस्कृति की पहचान है। इसके बावजूद, मेले की व्यवस्थाएं अस्थायी और अव्यवस्थित हैं। स्थानीय समाजसेवियों ने मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए आर्थिक और सामाजिक सहयोग देना शुरू किया है, लेकिन अब तक किसी भी जनप्रतिनिधि ने इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाया है।

पूर्व सभासद रमाशंकर शुक्ला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर मंदिर के पूर्ण जीर्णोद्धार, कुंड के पुनर्निर्माण, परिसर के सौंदर्यीकरण तथा मेले की स्थायी व्यवस्था हेतु विशेष बजट की मांग की है। उनका कहना है कि यह स्थल केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक का शव पेड़ से लटका मिला

स्वराज इंडिया संवाददाता

जैदपुर (बाराबंकी)। थाना जैदपुर क्षेत्र के गुलरिहा गांव में शुक्रवार रात उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के बाहर एक युवक का शव पेड़ से लटका मिला। मृतक की पहचान अखिलेश पुत्र पृथ्वीराज के रूप में हुई है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात करीब 10-30 बजे खेतों में सिंचाई कर रहे ग्रामीणों ने पेड़ से लटकता शव देखा। यह दृश्य देखकर सभी ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और परिजनों को दी।घटना की जानकारी मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम को संदिग्ध मानते हुए हर पहलु से जांच में जुटी है। वहीं गांव में घटना को लेकर दहशत और शोक का माहौल है।

अब ड्रेसकोड में दिखेंगे सरयू घाट के छायाकार

» आईजी की सख्ती के बाद अयोध्या पुलिस की कार्रवाई

» 57फोटोग्राफरों का सत्यापन कर जारी किया गया पहचान ड्रेस

» सफेद टी-शर्ट और सफेद लोअर में नजर आएंगे घाटो पर फोटोग्रफर

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। राममंदिर निर्माण के बाद बढ़ती भीड़ और श्रद्धालुओं की आवाजाही के बीच अब राम की पैड़ी, नयाघाट और लताचौक जैसे अति संवेदनशील स्थलों पर फोटोग्राफी का नियमबद्ध ढंग से संचालन किया जाएगा। आईजी प्रवीण कुमार के निर्देश पर अयोध्या पुलिस ने इन प्रमुख घाटों पर कार्यरत 57 छायाकारों का सत्यापन कर उन्हें एक निर्धारित ड्रेसकोड में कार्य करने का आदेश जारी किया है। ड्रेसकोड के अनुसार सभी फोटोग्राफरों को सफेद टी-शर्ट और सफेद लोअर पहनना अनिवार्य होगा। इस नियम का उल्लंघन करने पर उनकी अनुमति रद्द की जा सकती है। पुलिस का कहना है कि यह निर्णय अव्यवस्था और विवाद की बढ़ती घटनाओं को नियंत्रित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

गौरतलब है कि बीते एक महीने में फोटो खींचने को लेकर दो बार झगड़े हुए हैं, जिनमें केस भी दर्ज हुआ है। यही नहीं, कुछ बाहरी लोगों द्वारा भ्रामक रूप से छायाकार बनकर पर्यटकों से पैसे वसूलने की शिकायतें भी सामने आई थीं। पुलिस प्रशासन का मानना है कि ड्रेसकोड लागू होने से पहचान आसान होगी, फर्जी फोटोग्राफर पकड़े जाएंगे, और श्रद्धालुओं को बेहतर सेवा मिलेगी। इसके साथ ही घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था भी और सुदृढ़ होगी।अधिकारियों के मुताबिक यह पहल अन्य पर्यटन स्थलों के लिए भी एक मॉडल बन सकती है, जहां स्थानीय व्यवसायियों की पहचान और आचरण को नियमित करने की ज़रूरत महसूस की जा रही है।

अब बिना ड्रेसकोड के फोटोग्राफी पर रोक

57 छायाकारों का सत्यापन पूर्ण
सफेद लोअर-टीशर्ट में ही मिल सकेगी अनुमति
एक महीने में दो बार हो चुका है विवाद

चार साल जनसेवा के नाम- जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह

जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने रचा विकास का बेमिसाल इतिहास

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने अपने चार साल के कार्यकाल में विकास, विश्वास और महिला नेतृत्व की ऐसी मिसाल पेश की है, जो जनपद अयोध्या ही नहीं, प्रदेश की पंचायत राजनीति में भी चर्चा का विषय बन चुकी है। उनके कुशल नेतृत्व में ग्राम सरायशशी से लेकर पूरे जनपद में सड़क, स्वच्छता, शिक्षा, स्वास्थ्य, और जलापूर्ति जैसे बुनियादी ढांचे को मजबूत करने वाले कार्य तेज़ी से ज़मीन पर उतारे गए।

श्रीमती सिंह की सबसे बड़ी उपलब्धि रही जनमानस से सीधा संवाद और पारदर्शिता से भरा प्रशासनिक दृष्टिकोण। उन्होंने ग्रामीण विकास की योजनाओं को सिर्फ फाइलों तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि हर योजना को गांव-गांव, घर-घर तक पहुंचाया। महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए वे स्वयं एक प्रेरणा बनकर उभरीं। इस जनसेवा यात्रा में उनके प्रतिनिधि व पति आलोक सिंह रोहित भी हर मोर्चे पर उनके साथ खड़े नज़र आए, जिनकी सक्रियता ने जनसंपर्क को और सशक्त किया। कार्यकाल पूर्ण होने पर क्षेत्रीय युवाओं से लेकर वरिष्ठ नागरिकों ने रोली सिंह को जनसेवा की सच्ची मिसाल बताते हुए बधाइयों की झड़ी लगा दी।

अंकुर सिंह ने अपने बधाई संदेश में क्या कहा

रोली दीदी का यह कार्यकाल नारी नेतृत्व की शक्ति, संवेदनशील जनसेवा और दृढ़ संकल्प का अद्भुत संगम रहा है। जिला पंचायत को जिस ऊंचाई पर उन्होंने पहुंचाया है, वह गौरव की बात है।

राम की नगरी में शिवभक्तों के लिये विशेष इंतजाम

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या में कांवडियों एवं श्रद्धालुओं के आगमन को लेकर सुरक्षा और सुविधा के चाक चौबंद इंतजाम किये गये है। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने गुरुवार को बताया कि अयोध्या में कांवडियों के आगमन के पहले से ही शांति, सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिये मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर दी गयी है। कांवडियों की भीड़ अयोध्या में आना संभावित है, इसलिए सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से सम्बन्धित थाना चौकी और पुलिस अधिकारियों व उप जिला मजिस्ट्रेट से समन्वय स्थापित कर भ्रमणशील रहकर शांति एवं सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था बनाये रखने के उत्तरदायित्व सौंपे गये हैं।

उन्होंने बताया कि श्रावण मास के प्रथम सोमवार 14 जुलाई, द्वितीय सोमवार 21 जुलाई, तृतीय सोमवार 28 जुलाई, चतुर्थ सोमवार चार अगस्त, सावन त्रयोदशी तिथि छह अगस्त को कांवडियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहेगी। इस दौरान रक्षा बंधन, श्रावण पूर्णिमा का स्नान भी होना है। उन्होंने बताया कि इसके दृष्टिगत 11 जुलाई से आठ एवं नौ अगस्त तक सभी मार्गों पर निरन्तर भ्रमण शील रहकर सतर्क दृष्टि बनाये रखा जायेगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि श्रावण मास के अवसर पर कांवडिया जनपद अम्बेडकरनगर, गोण्डा, बस्ती, बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुलतानपुर व अन्य जनपदों से अयोध्या में आकर जलाभिषेक करते हैं। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त अपर जिला मजिस्ट्रेट एवं नगर एवं अपर पुलिस अधीक्षक नगर जनपद अयोध्या, नगरीय क्षेत्र तथा अपर जिला मजिस्ट्रेट प्रशासन एवं अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, सम्पूर्ण ग्रामीण क्षेत्र की शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिये उत्तरदायी होंगे।

जौनपुर एसपी का बड़ा कदमः मुंगरा बादशाहपुर के एसएचओ सहित 63 सस्पैंड

» साख बचाने को प्रशासन का कड़ा एक्शन

» पूरे स्टाफ पर गिरी गाज़

अनुशासन और जवाबदेही की मिसाल बनी कार्रवाई, अब जनता को मिलेगा न्याय

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

जौनपुर। शासन की जीरो टॉलरेंस नीति को ज़मीन पर उतारते हुए जौनपुर प्रशासन ने बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। मुंगरा बादशाहपुर थाने में लगातार मिल रही लापरवाही और अनुशासनहीनता की शिकायतों पर सख्त एक्शन लेते हुए थाना प्रभारी समेत पूरे 63 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है।

यह कार्रवाई न केवल अपराध नियंत्रण में शिथिलता, बल्कि जनता की शिकायतों की अनदेखी और भ्रष्टाचार की आशंकाओं पर त्वरित व प्रभावशाली संदेश है कि कर्तव्य में कोताही बर्दाश्त नहीं।

नए सिरे से होगी टीम की तैनाती

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की निगरानी में नए, जिम्मेदार और चुस्त पुलिसकर्मियों की तैनाती शुरू कर दी गई है। अब जनता की शिकायतों पर तुरंत सुनवाई और पारदर्शी कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

जनता को उम्मीद की नई किरण

इस निर्णय से जनता में कानून व्यवस्था को लेकर भरोसा बढ़ा है। शासन का यह स्पष्ट संदेश है कि पुलिस अगर जनसेवा में चूक करती है, तो कार्रवाई निश्चित है।

सख्ती से मिलेगा सुधार का रास्ता

यह पहल उत्तर प्रदेश में पुलिस प्रशासन को जवाबदेह और संवेदनशील बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकती है। जिलेभर में यह संदेश गया है कि ईमानदारी, कर्मठता और अनुशासन से ही पुलिस की छवि मजबूत होगी।

जवाबदेही की शुरुआत

यह खबर न केवल प्रशासन की तत्परता का परिचायक है, बल्कि उन ईमानदार अधिकारियों के लिए भी प्रेरणा है जो अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा से निभा रहे हैं। अब जौनपुर में जनता की आवाज़ दबेगी नहीं, सीधे पहुंचेगी कार्रवाई तक।

ज़मीन के एक विवाद को ले कर तेजतर्रार पुलिस कप्तान डॉ कौस्तुभ हाईकोर्ट में हुए तलब तो नाराज़ एसपी ने पूरा थाना सस्पेंड कर दिया।

बढ़ सकता है अनुदेशकों एवं शिक्षामित्रों का मानदेय !

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। योगी सरकार ने राज्य के शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि करने का निर्णय लिया है , जिससे लगभग 129332 शिक्षामित्र और 25223 अनुदेशक लाभान्वित होंगे। इस कदम से राज्य के बेसिक शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है। वर्तमान में शिक्षामित्रों को प्रति माह 10000 का मानदेय मिलता है जबकि अनुदेशकों को 9000 प्रति माह दिया जा रहा है। सरकार के नए प्रस्ताव के अनुसार शिक्षामित्रों का मानदेय बढ़ाकर 17000 प्रति माह किया जाएगा, जबकि अनुदेशकों का मानदेय 22000 प्रति माह तक हो सकता है।

» अन्य राज्यों के शिक्षक संरचना को लेकर अध्ययन करवा रही योगी सरकार

उच्च स्तर पर सहमति बनने के बाद इस प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार न्यूनतम मजदूरी की दर से या उससे कम वेतन पाने वाले संवर्गों के कर्मियों को एक समान वेतन देने की योजना बनाई गई है।

वेतन वृद्धि के अतिरिक्त लाभ-

वेतन वृद्धि के साथ ही शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को हर तीन वर्षों में वेतन वृद्धि की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसके अलावा शिक्षामित्रों को उनके मूल विद्यालयों में वापसी और अंत- जनपदीय स्थानांतरण की सुविधा भी दी जाएगी जिससे वे अपने घर के पास कार्य कर सकेंगे।सरकार ने इस प्रस्ताव को तैयार करने से पहले अन्य राज्यों के वेतन संरचना का भी अध्ययन किया है ताकि उत्तर प्रदेश के शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को उचित मानदेय दिया जा सके। इस कदम से राज्य के बेसिक शिक्षा क्षेत्र में कार्यरत कर्मियों की आर्थिक स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है।सरकार का उद्देश्य कर्मचारियों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाना और उन्हें बेहतर जीवन स्तर प्रदान करना है। शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आया है जिससे वे अधिक उत्साह और समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे। उम्मीद है कि इस प्रस्तावित वेतन वृद्धि से राज्य की शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

समर कैंप कराने वाले शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को मानदेय का है इंतजार-

परिषदीय विद्यालयों में इस साल 21 मई से 15 जून तक पहली बार समर कैंप का आयोजन किया गया। इसके आयोजन की जिम्मेदारी परिषदीय विद्यालयों में तैनात रहे शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को दी गई थी। इसके लिए प्रत्येक को 6000 रुपये मानदेय तय किया गया था लेकिन अभी तक इसका भुगतान नहीं किया गया है। इसके लिए वे अधिकारियों के चक्कर काट रहे हैं। बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा का कहना है कि समर कैंप में ड्यूटी करने वाले सभी शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के मानदेय का भुगतान जल्द से जल्द किया जाएगा।

गांव की बात, गांव के साथ...

» उत्तर प्रदेश तैयार है पंचायत चुनाव 2026 के लिए!

» उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव की बिगुल!

» 18 जुलाई से शुरू होंगी तैयारियां, पारदर्शिता की ओर एक मजबूत कदम

चुनाव की बड़ी टाइमलाइन

18 जुलाई 2025- तैयारियों की शुरुआत

15 जनवरी 2026-मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन

मार्च 2026- पंचायत चुनाव का महासंग्राम

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर लोकतंत्र का उत्सव दस्तक देने जा रहा है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने बड़ी घोषणा करते हुए मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही प्रदेशभर में पंचायत चुनाव की तैयारियां अब औपचारिक रूप से 18 जुलाई 2025 से शुरू हो जाएंगी।

यह चुनाव गांव की सरकार चुनने की अहम प्रक्रिया है, जो हर नागरिक को जमीनी स्तर पर लोकतंत्र में भागीदारी का अवसर देती है।चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोग ने अधिकारियों के तबादलों पर रोक लगा दी है। हस्ष डॉ. अखिलेश मिश्रा ने सभी जिलाधिकारियों को इस बाबत निर्देश भी भेज दिए हैं।गांव, विकासखंड और जिला पंचायत सदस्यों की यह चुनावी प्रक्रिया प्रदेश के समग्र विकास और प्रशासनिक भागीदारी का आधार बनती है। इस बार की तैयारियों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और समावेशिता को प्राथमिकता दी जा रही है।इस घोषणा से प्रदेशभर में चुनावी हलचल तेज हो गई है और ग्राम स्तर पर जन जागरूकता अभियान भी तेज हो सकते हैं।

बिना पर्ची, बिना खर्ची हो रही भर्ती

प्रधानमंत्री मोदी ने 51,000 युवाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी को अहम करने के लिए आज देशभर के 47 शहरों में रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम मोदी ने युवाओं को बड़ी सौगात देते हुए 51 हजार से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उन्हें संबोधित भी किया।

देशभर के 47 शहरों में शनिवार को रोजगार मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने देशभर के युवाओं को एक बड़ी सौगात देते हुए 51,000 से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटे। साथ ही पीएम मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए युवाओं को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य पारदर्शी और ईमानदार भर्ती प्रक्रिया को आगे बढ़ाना है। पीएम मोदी ने कहा कि देश के लाखों युवाओं को ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से नौकरी मिली है और वे आज राष्ट्र निर्माण में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मंत्र है.. 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'।

देश की विकास रफ्तार तेज करेंगे ये युवा-पीएम मोदी : युवाओं के संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि अलग-अलग विभागों में नियुक्त हो रहे ये युवा आने वाले समय में देश के विकास की रफ्तार को तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि कुछ देश की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबका साथ, सबका विकास' के सच्चे सिपाही बनेंगे। कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे, तो कुछ उद्योगों के विकास में योगदान देंगे।

राष्ट्र सेवा ही सबसे बड़ी पहचान : पीएम मोदी

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भले ही नियुक्ति पाने वाले युवाओं के विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन उनका उद्देश्य एक ही है राष्ट्र सेवा। उन्होंने कहा कि आपके विभाग अलग हो सकते हैं, लेकिन आप सब एक ही शरीर के अंग हैं, और वह है- देश की सेवा। बता दें कि इस दौरान पीएम मोदी ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि रोजगार मेले के अभियान ने यह विश्वास जगाया है कि सरकारी नौकरी अब सिफारिश या रिश्वत के बिना भी मिल सकती है, केवल काबिलियत के आधार पर।

चार महीने में कहां से आए 14 करोड़?

» नीतू के खाते में कहां से आया इतना पैसा?
» छांगुर बाबा ने बना रखी थीं चार संस्थाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में सामने आए धर्मांतरण केस में बेहद अहम जानकारी सामने आई है। जांच में खुलासा हुआ है कि नीतू रोहरा उर्फ नसरीन के बैंक खातों में महज चार महीनों के भीतर करीब 14 करोड़ की विदेशी फंडिंग ट्रांसफर की गई। छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के इस नेटवर्क को कानूनी जामा पहनाने के लिए चार अलग-अलग संस्थाएं बना रखी थीं, जिनके जरिए यह फंडिंग होती थी।

उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में सामने आए धर्मांतरण सिंडिकेट में विदेशी फंडिंग का बड़ा नेटवर्क उजागर हुआ है। जांच में पता चला है कि छांगुर बाबा और उसके सहयोगियों- नीतू रोहरा उर्फ नसरीन और नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन ने कई फर्जी या ट्रस्टनुमा संस्थाएं बनाई। इनमें करोड़ों की विदेशी फंडिंग हासिल की। इसी फंड का इस्तेमाल धर्मांतरण में किया गया। एटीएस और खुफिया एजेंसियों की पड़ताल में बैंक खातों और संपत्तियों की जानकारी सामने आई है।

छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के लिए चार संस्थाएं बनाई थीं- इनमें आस्वी इंटरप्राइजेज, आस्वी चैरिटेबल ट्रस्ट, बाबा ताजुद्दीन आस्वी बुटीक और आसिपिया हसनी हुसैनी कलेक्शन सेंटर। इन संस्थाओं के नाम पर वह विदेश से फंडिंग हासिल करता था। एसबीआई के एक खाते में छांगुर बाबा को विदेश से सीधे 16 लाख रुपये की फंडिंग मिली थी। वहीं नीतू रोहरा उर्फ नसरीन और नवीन रोहरा उर्फ जमालुद्दीन ने भी अलग-अलग बैंक अकाउंट खोलकर विदेशी फंड्स को डायवर्ट किया। नीतू उर्फ नसरीन के नाम पर 8 बैंक अकाउंट हैं, जिनमें से बैंक ऑफ बड़ौदा के एक खाते में अकेले 5 करोड़ की विदेशी फंडिंग दर्ज हुई है। इसमें बड़ी बात यह है कि सिर्फ चार महीने (24 फरवरी 2021 से 28 जून 2021) में नीतू के एक अकाउंट में 13 करोड़ 90 लाख 10 हजार रुपये विदेशी श्रोतों से ट्रांसफर हुए। उसी अवधि में 13 करोड़ 58 लाख रुपये निकाले भी गए।

मिशन आकाश गंगा

15 जुलाई को कैलिफोर्निया के पास समंदर में उतरेंगे, नासा करेगी सीधा प्रसारण

14 जुलाई को अंतरिक्ष स्टेशन छोड़ पृथ्वी की तरफ होगी वापसी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

15 जुलाई को शुभांशु शुक्ला की वापसी भारत के वैज्ञानिक समुदाय और देश के लिए गर्व का पल होगा। शुभांशु शुक्ला की वापसी भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को और मजबूती देगी। नासा का सीधा प्रसारण हमें इस रोमांचक सफर का हिस्सा बनने का मौका देगा।

भारत के अंतरिक्ष मिशन में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जो अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले पहले भारतीय हैं, एक सफल मिशन के बाद पृथ्वी पर लौटने की तैयारी कर रहे हैं. इस मिशन का नाम आकाश गंगा है।

शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य चालक दल के सदस्य 25 जून को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से रवाना हुए थे। 26 जून को स्पेस स्टेशन पहुंचे। अगर उतरने के मौसम अनुकूल रहेगा तो पायलट शुभांशु द्वारा उड़ाया जा रहा ड्रैगन कैप्सूल ग्रेस 15 जुलाई 2025 को सुरक्षित पानी में लैंड होगा। लैंडिंग भारतीय समयानुसार शाम 3:00 बजे हो सकती है। शुभांशु और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट का अलग होना 14 जुलाई 2025 भारतीय समयानुसार शाम 4:30 बजे होगा। इसके बाद कुछ धरती के ऊपर ऑर्बिट में कुछ मैन्युवर्स के बाद, स्पेसक्राफ्ट का कैलिफोर्निया, अमेरिका के तट के पास प्रशांत महासागर में लैंडिंग होगी।

आने के बाद मेडिकल चेक अप होगा : इसरो के फ्लाइट सर्जन मिशन के दौरान शुभांशु की सेहत और मनोवैज्ञानिक स्थितियों की निगरानी कर रहे हैं। रिपोर्ट्स पुष्ट करती हैं कि वह अच्छे स्वास्थ्य और उच्च मनोबल में हैं। लैंडिंग के बाद, वह सात दिन के रीहैबिलिटेशन से गुजरेंगे, जो पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण में सामंजस्य बनाने के लिए महत्वपूर्ण है।

देख सकते हैं लाइव रिटर्न

नासा का प्रसारण 14 जुलाई को भारतीय समयानुसार करीब 1-1:30 बजे से शुरू होगा, जब हेच (स्पेसक्राफ्ट का दरवाजा) बंद होगा। इसके बाद 4:55 बजे टीम स्पेसक्राफ्ट में प्रवेश करेगी और हेच बंद हो जाएगा। 6:45 बजे से अलग होने की कवरेज नासा+, एक्सिओम स्पेस और स्पेसएक्स के चैनल्स पर शुरू होगी। 7:05 बजे टीम अलग होगी। नासा का प्रसारण करीब 30 मिनट बाद खत्म होगा। इसके बाद एक्सिओम स्पेस स्पेसक्राफ्ट के पानी में लैंड करने का प्रसारण अपनी वेबसाइट पर दिखाएगा।

मिशन की टीम

इस मिशन में चार अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। पेगी व्हिटसन, जो अमेरिका से हैं और एक्सियॉम स्पेस की मानव अंतरिक्ष उड़ान निदेशक हैं। शुभांशु शुक्ला, भारत से हैं और इसरो के पहले अंतरिक्ष यात्री हैं। स्लावोस्ज उज्नान्स्की-विश्निव्स्की, पोलैंड से हैं और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के प्रोजेक्ट अंतरिक्ष यात्री हैं। टिबोर कापु, हंगरी से हैं और हंगेरियन टू ऑर्बिट प्रोग्राम के अंतरिक्ष यात्री हैं।